

ज्योत माँ की | By Aamir Shola |

अगर ज्योत माँ की जगाई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।
मेरी माता दुनिया में आई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।

मेरी रानी माँ का है जग में उजाला
सारे जहान को एक माँ ने संभाला ।
अगर दर से लौ गर लगाई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।

मुझे दर का माँगता बना लीजिएगा
चरणों से अपने माँ लगा लीजिएगा ।
अगर माँ से बेटों की लड़ाई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।

सदा मैं तेरे गुण माँ गाता रहूँगा
हर साल दर पे तेरे आता रहूँगा ।
मुझे देख माँ मुस्कुराई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।

अमीर और गरीबों की गमखवार हो माँ
हकीकत में तुम सच्ची सरकार हो माँ ।
अगर दर पे धूनी रमाई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।

अगर ज्योत माँ की जगाई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।
मेरी माता दुनिया में आई ना होती
तो तक्रदीर भी जगमगाई ना होती ।

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-aamir-shola/>